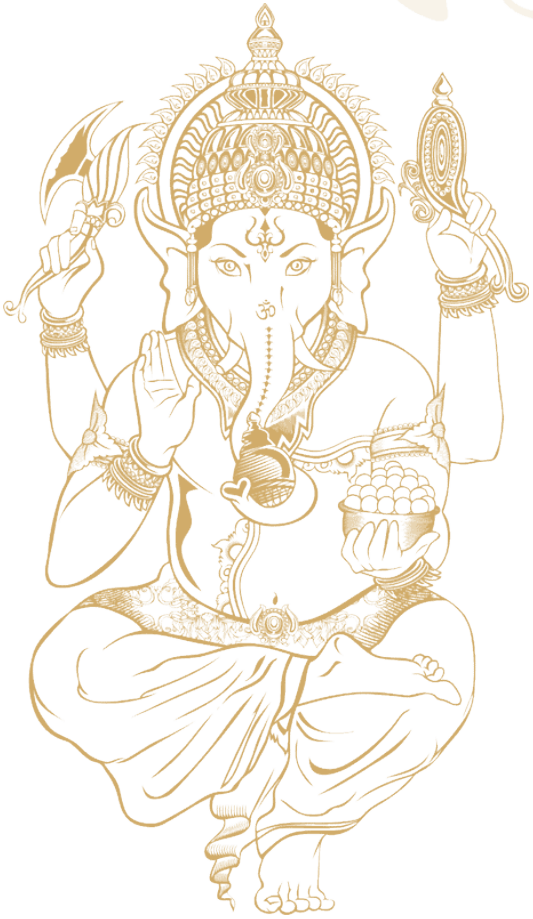

Pooja

02 Oct 1997

05:30 AM

Saharanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120890007

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**1-02/10/1997**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**05:30:00 घंटे**
इष्ट	58:12:12 घटी
स्थान	**Saharanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	77:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:10:12 घंटे
वेलान्तर	00:10:17 घंटे
साम्पातिक काल	05:53:12 घंटे
सूर्योदय	06:13:07 घंटे
सूर्यास्त	18:05:27 घंटे
दिनमान	11:52:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	15:00:40 कन्या
लग्न के अंश	04:41:36 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ब्रह्म
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ण--
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	04:41:36	314:45:22	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			कन्या	15:00:40	00:59:03	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	सम राशि
चंद्र			कन्या	18:15:05	11:53:10	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	08:19:26	00:42:10	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	05:45:12	01:47:55	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	उच्च राशि
गुरु	व		मक	18:19:55	00:01:14	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			तुला	29:01:56	01:07:54	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	स्वराशि
शनि	व		मीन	23:43:33	00:04:39	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	सम राशि
राहु	व		सिंह	25:55:47	00:01:55	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:55:47	00:01:55	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	10:58:35	00:00:37	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:22:11	00:00:14	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:40:22	00:01:34	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	04:36:58	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:28

लग्न-चलित

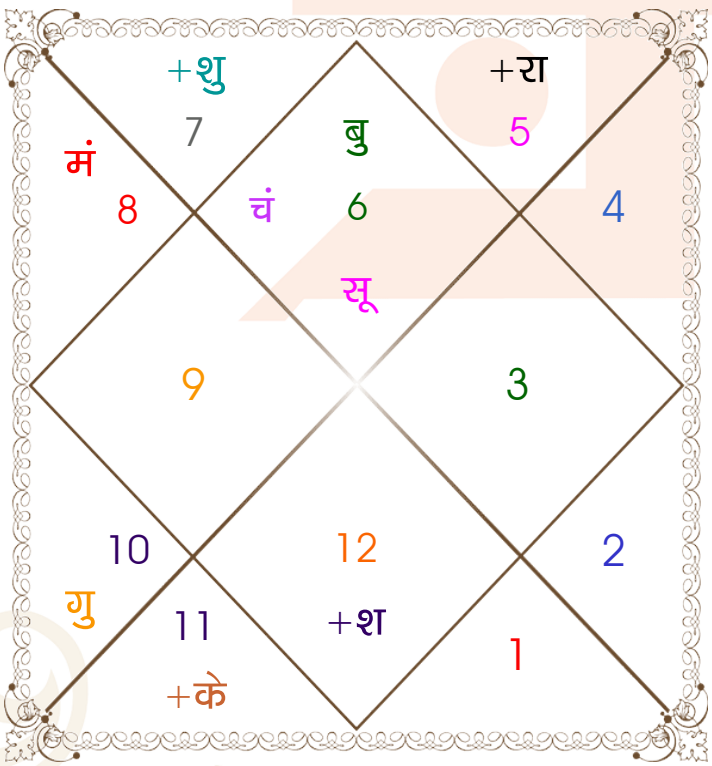

चन्द्र कुंडली

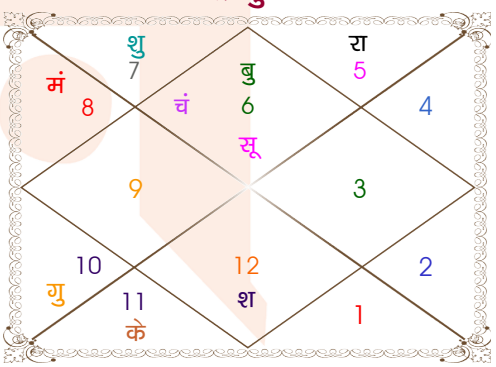

नवमांश कुंडली

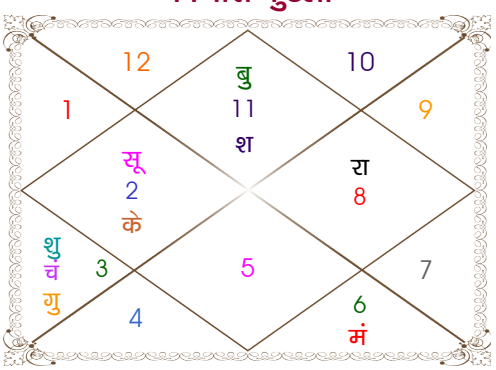

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 9 मास 22 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
02/10/1997		25/07/2001		25/07/2008		25/07/2026		25/07/2042	
25/07/2001		25/07/2008		25/07/2026		25/07/2042		25/07/2061	
	00/00/0000	मंगल	21/12/2001	राहु	07/04/2011	गुरु	11/09/2028	शनि	28/07/2045
	00/00/0000	राहु	08/01/2003	गुरु	30/08/2013	शनि	26/03/2031	बुध	06/04/2048
	00/00/0000	गुरु	15/12/2003	शनि	06/07/2016	बुध	30/06/2033	केतु	16/05/2049
	00/00/0000	शनि	23/01/2005	बुध	24/01/2019	केतु	06/06/2034	शुक्र	15/07/2052
	02/10/1997	बुध	20/01/2006	केतु	11/02/2020	शुक्र	04/02/2037	सूर्य	27/06/2053
बुध	24/10/1998	केतु	19/06/2006	शुक्र	11/02/2023	सूर्य	24/11/2037	चंद्र	27/01/2055
केतु	25/05/1999	शुक्र	19/08/2007	सूर्य	06/01/2024	चंद्र	26/03/2039	मंगल	07/03/2056
शुक्र	23/01/2001	सूर्य	25/12/2007	चंद्र	07/07/2025	मंगल	29/02/2040	राहु	12/01/2059
सूर्य	25/07/2001	चंद्र	25/07/2008	मंगल	25/07/2026	राहु	25/07/2042	गुरु	25/07/2061

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
25/07/2061		25/07/2078		25/07/2085		26/07/2105		26/07/2111	
25/07/2078		25/07/2085		26/07/2105		26/07/2111		00/00/0000	
बुध	21/12/2063	केतु	21/12/2078	शुक्र	23/11/2088	सूर्य	12/11/2105	चंद्र	26/05/2112
केतु	18/12/2064	शुक्र	20/02/2080	सूर्य	24/11/2089	चंद्र	14/05/2106	मंगल	25/12/2112
शुक्र	19/10/2067	सूर्य	27/06/2080	चंद्र	25/07/2091	मंगल	19/09/2106	राहु	26/06/2114
सूर्य	24/08/2068	चंद्र	26/01/2081	मंगल	23/09/2092	राहु	14/08/2107	गुरु	26/10/2115
चंद्र	23/01/2070	मंगल	24/06/2081	राहु	24/09/2095	गुरु	01/06/2108	शनि	26/05/2117
मंगल	21/01/2071	राहु	13/07/2082	गुरु	25/05/2098	शनि	14/05/2109	बुध	03/10/2117
राहु	09/08/2073	गुरु	19/06/2083	शनि	26/07/2101	बुध	20/03/2110		00/00/0000
गुरु	15/11/2075	शनि	28/07/2084	बुध	26/05/2104	केतु	26/07/2110		00/00/0000
शनि	25/07/2078	बुध	25/07/2085	केतु	26/07/2105	शुक्र	26/07/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 9 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना,

अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।